Vijay Kumar Jha
Deptt in History
V.S.J. College Rajnagar

Degree Part III

Paper - VIII

Young Turks movements in Turkey

किसी भी देश का आन्दोलन उस देश के पुरातन व्यवस्था और राजा की निरंकुशता के विरुद्ध होता है प्रायः तुर्की भी इससे अछूता नहीं था। यहाँ अब्दुल हमीद के शासन व्यवस्था में निरंकुशता तथा जन मानस के प्रति अवहेलना भरा था। हमीद 33 वर्षों तक शासन किया प्रारम्भ में वह उदारवादी था। किंतु यूरोपिय देशों के सम्पर्क में आने से निरंकुश हो गया। इस समय तुर्की में राष्ट्रीय भावनाओं का विकास हो चुका था तथा तुर्की के सभी युवा तुर्क एक राजनीतिक सूत्र में बंध गये थे। तुर्की साम्राज्य पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा। हलांकि तुर्की सुल्तान ने इस विचार धारा पर प्रतिबंध लगाने का पूर्ण प्रयास किया तथा तुर्की में स्वतंत्रता, संविधान तथा प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया। परिणाम स्वरूप तुर्की के राजनीतिक स्थिति दिनानु दिन बदतर होती गई।

तुर्की के स्थिति ऐसी हो गई तुर्की का विघटन अवश्यम्भावी हो गया। विशाल आटोमन साम्राज्य का विघटन इतने जोड़ों से परिलक्षित होने लगा कि उसे यूरप का मरीज (Sick man of Europe) कहा जाने लगा। 19 वी सदी तक आते आते तुर्की के स्थिति अत्यंत दयनीय हो गयी जिसका विघटन रोकना आवश्यक हो गया। तुर्की में विभिन्न धर्मावलम्बी के लोग निवास करते थे। इस समय तुर्की में अब्दुल हमीद शासन करते थे जो निरंकुश थे जिसके विरोध में युवा तुर्क आन्दोलन कारी हमीद के शासन को तख्ता पटल करना चाहते थे। ऐसी परिस्थिति में किसी भी देश में क्रांति अवश्यम्भावी हो जाती है। तुर्की में युवा तुर्क आन्दोलन की सूत्रपात हमीद के निरंकुश शासन ने किया 1889 ई० इस्ताम्बूल में इब्राहिम तेमो नामक एक उत्साही मन युवक ने एक संगठन बनाया जिसका नाम एकता और प्रगति

समिति रचा। कुछ ही दिनों में इसके [illegible] की [illegible] लगी और तुर्की सेना भी इसके सदस्य हो गये। [illegible] में जिसकि सुधार कर तुर्की कि [illegible] कायम रखना चाहते थे [illegible] सुल्तान इन सुधारवादी युवकों से [illegible] देश से निकाल दिया गया।

1898 ई० एकता और प्रगति समिति ने [illegible] पास कर इस [illegible] एवं [illegible] शासन को [illegible] था। साथ ही संसदीय शासन प्रणाली [illegible] की। सुल्तान ने इन युवा तुर्क पर कई दमनकारी [illegible] किया [illegible] ये प्रगति समिति के सदस्य [illegible] और [illegible] पर डटे रहे। 1902 ई० में पेरिस में एक [illegible] का आयो-जन किया जिसमें उदारवादी युवाओं, [illegible] भाग लिया जिसमें 1876 के संविधान को [illegible] एकता और प्रगति समिति [illegible] और [illegible] गठन किया। 1908 ई० में मेसीडोनिया में कई [illegible] फलत: 1909 ई० में एक सरकारी [illegible] संविधान को पुन: लागू करने का वचन दिया तथा प्रेस कि स्वतन्त्रता को [illegible] बहाल किया गया।

युवा तुर्क का उद्देश्य तुर्की को पुन: [illegible] एवं निरोग बनाना था तथा प्राचीन संस्थाओं का [illegible] में आत्मसम्मान कि भावना जगाना था। वे तुर्की [illegible] ढंग से करना चाहते थे। तुर्की में निवास करने वाले [illegible] जातियों में राष्ट्रीय भावना का [illegible] और [illegible] साम्राज्य से अलग रहकर वे आन्दोलन [illegible]

युवा तुर्क ने शुरु से [illegible] का सामना किया। इसलिए वे अनुभवहीन थे और [illegible] परिस्थिति भी अनुकूल नहीं थी [illegible] तीनों दल कि विचारधारा [illegible] युवा तुर्क को कठिनाई हुई। [illegible] युवा तुर्क [illegible]

Scanned with Cam

काफी सफलता मिली। इन्होंने नयी शासन पद्धति अपनाई। नगरपालिका कि व्यवस्था में सुधार किया, पुलिस प्रबन्ध अतिरिक्त दल, लोक सेवा के कार्य, मंत्रियों कि स्थिति सुधार आदि किये। भूमि सुधार और आर्थिक उत्थान के साथ-साथ सामाजिक सुधार को भी बढ़ावा दिया, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर दिया गया। उद्योग धंधों के अतिरिक्त बीमा कम्पनी खोले गये।

युवा तुर्क शासन स्थापित होने पर तुर्की के लोग और भी सुधारों कि अपेक्षा युवा तुर्क से करने लगे किंतु यह अपेक्षा पूरा नहीं हो सका। यूरोपीय देश बाह्य परेशानी खड़ा कर युवा तुर्क के शासन को असफल करने का प्रयास किया। राष्ट्रीयता कि जोश में उबलती जातियों को सुल्तान ने भड़काने का प्रयास किया। बुलगेरिया, अल्बानिया के लोगों ने विद्रोह कर दिया जिसे दबाने के लिये दमन चक्र चलाया गया। जिसमें तुर्की कि पराजय हुई प्रथम विश्व युद्ध में युवा तुर्क ने जर्मनी का साथ दिया और अंत में मित्र राष्ट्रों के हाथों पराजित हुआ।

20 वीं सदी में ये यूरप के मरीज को नया जीवन प्रदान किया गया। इसका पूर्ण श्रेय युवा तुर्क को जाता है जिन्होंने अब्दुल हमीद के निरंकुश शासन को समाप्त किया। इस आन्दोलन को चलाने वाला तुर्कों का युवा वर्ग था अत: इसे युवा तुर्क आन्दोलन Young Turk movement कहा जाता है